सांवली सूरत पे मोहन

दिल दीवाना हो गया

सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया॥
दिल दीवाना हो गया, मेरा दिल दीवाना हो गया॥

एक तो तेरे नैन तिरछे, दूसरा काजल लगा।
तीसरा नज़रें मिलाना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तेरे होंठ पतले, दूसरा लाली लगी।
तीसरा तेरा मुस्कुराना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तेरे हाथ कोमल, दूसरा मेहँदी लगी।
तीसरा मुरली बजाना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तेरे पाँव नाज़ुक, दूसरा पायल बंधी।
तीसरा घुंघरू बजाना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तेरे भोग छप्पन, दूसरा माखन धरा।
तीसरा खिचडे का खाना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तेरे साथ राधा, दूसरा रुक्मिणी खड़ी।
तीसरा मीरा का आना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

एक तो तुम देवता हो, दूसरा प्रियतम मेरे।
तीसरा सपनों में आना, दिल दीवाना हो गया॥ सांवली सूरत....

दिल दीवाना हो गया, मेरा दिल दीवाना हो गया।
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया। सांवली सूरत....

Sanwali Surat Pe Mohan Dil Diwana Ho Gaya